ईपीआई-कॉर्पोरेट कार्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों के अधिकारी/कर्मचारियों के लिए 'राजभाषा हिंदी और उसका कार्यान्वयन' विषय पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन।

भारत सरकार, गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा प्राप्त वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार हिंदी को और अधिक बढावा देने के उद्धेश्य से हिंदी कार्यशालाएं आयोजित करने का प्रावधान है। इसी के अंतर्गत ईपीआई, कार्पोरेट कार्यालय तथा क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए दिनांक 25 मई, 2026 (सोमवार) को हिंदी कार्यशाला का आयोजन अपराह्न 3.00 बजे से 5.00 बजे तक स्कोप काम्प्लैक्स, कोर-3, लोधी रोड स्थित चैथी मंजिल के सम्मेलन कक्ष में किया गया। इस कार्यशाला में सर्वप्रथम अतिथि महोदय माननीय डॉ. वी.के. अग्रवाल जी, निदेशक तथा सदस्य हिंदी सलाहकार समिति को स्वागत स्वरुप अध्यक्ष, रा.का.सं. द्वारा पुस्तक, पौधा प्रदान किया गया तथा मा. श्री बि.के. बिस्वास, कार्यकारी निदेशक महोदय द्वारा भेंटस्वरुप शाल प्रदान की गई। तदोपरांत डा. अहीर प्रभुनाथ जी द्वारा मंच की शुरुआत की गई तथा आमंत्रित वक्ता का परिचय दिया गया तदोपरांत सदस्य सचिव, राजभाषा ने मंच की शुरुआत की तथा कार्यशाला में आमंत्रित अथिति वक्ता ने कार्यशाला में उपस्थित कार्पोरेट कार्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालय के समस्त प्रतिभागियों का परिचय लिया तथा राजभाषा हिंदी बढावा देने के लिए समस्त प्रतिभागियों का ध्यान एकत्रित किया तदोपरांत माननीय आमंत्रित वक्ता ने कार्यशाला का आरंभ किया।

माननीय आमंत्रित वक्ता ने कार्यशाला में उपस्थित समस्त प्रतिभागियों को हिंदी की विशेषता पर विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने बताया कि यह देश की एक सरल भाषा है तथा विशाल एवं संचयवाली भाषा है। वार्षिक कार्यक्रम के मानकों को प्राप्त करने के लिए कार्यालयीन कार्य में हिंदी का प्रयोग किया जाना अत्यंत आवश्यक है। कर्मचारियों को हिंदी के उपयोग करने की मानसिकता होनी आवश्यक है यदि अत्याधिक आवश्यक हो तो अंग्रेजी के शब्दों को हिंदी लिव्यांतरण द्वारा उपयोग कर सकते हैं।

चर्चा के दौरान बताया गया कि वर्तमान में दक्षिण भारत में हिंदी की लोकप्रियता बढ रही है। हमें अपने दैनिक पत्राचार, नोटिंग पत्राचार में हिंदी का अधिक से अधिक प्रयोग करना चाहिए तथा हमें आज से ही हिंदी की शुरुआत करनी चाहिए इसके लिए हमें सर्वप्रथम हस्ताक्षर हिंदी में करने चाहिए जिससे हिंदी को बढावा मिलेगा तथा हिंदी के प्रति हमारी मानसिकता में भी परिवर्तन आएगा।

आमंत्रित वक्ता ने सुझाव दिया कि 'क' क्षेत्र में होने के कारण हमें 100 प्रतिशत कार्य हिंदी में ही करना चाहिए, इसके लिए हम अपनी भाषा हिंदी में ही कार्य करें तथा जो हम कोई बात दूसरे तक पहुंचाना चाहते हैं वह हिंदी में ही कहें। हमें अनुवाद का सहारा न लेकर अपना लिपियांतर हिंदी में ही करें तथा तकनीकी विभागों के अंग्रेजी शब्दों को हिंदी में ही लिपियांतर करें। उन्होंने अपने संबोधन में हिंदी को अधिक से अधिक बढावा देने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर ध्यान आकर्षित किया जिसमें हिंदी पत्राचार, हिंदी टिप्पण लेखन, ई-मेल में हिंदी का प्रयोग, हिंदी में करने का सुझाव दिया

इस कार्यशाला में समस्त स्तर के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को माननीय अतिथि वक्ता माननीय डॉ. वी.के. अग्रवाल जी, तथा अध्यक्ष, रा.का.सं. श्री एस. हसन द्वारा भेंट स्वरुप पुस्तक प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष, रा.का.सं. श्री एस. हसन ने कार्यशाला में उपस्थित समस्त क्षेत्रीय कार्यालय प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया तथा सदस्य सचिव, रा.का.सं. द्वारा आमंत्रित वक्ता का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन डा. मनीष शंकरराव गवई, प्रबंधक राजभाषा ने किया तथा कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्था श्रीमती तबस्सुम खान, कार्यकारी राजभाषा द्वारा की गई।

- राजभाषा प्रभाग, कार्पोरेट कार्यालय